भगवान के नाम पर चंदा या जवाबदेही से परे व्यवस्था?

मंदिरों में पारदर्शिता पर उठते सवाल

छिंदवाड़ा। महाराष्ट्र के नागपुर में पांढुर्णा जिले के प्रसिद्ध जाम सांवरी मंदिर के नाम पर कथित फर्जी चंदा वसूली का मामला सामने आने के बाद धार्मिक संस्थाओं में आर्थिक पारदर्शिता को लेकर बहस तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, नागपुर के बेलतरोड़ी थाना क्षेत्र में पुलिस ने जाम सांवरी मंदिर के नाम पर कथित रूप से फर्जी रसीदों के माध्यम से चंदा एकत्र करने के आरोप में तीन युवकों को गिरफ्तार कर जांच शुरू की है। यह मामला केवल एक आपराधिक घटना भर नहीं माना जा रहा, बल्कि इसने यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि धार्मिक आस्था के नाम पर होने वाले आर्थिक लेन-देन की निगरानी कितनी प्रभावी है। धार्मिक आस्था भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत है। लोग बिना किसी संकोच के मंदिरों में दान देते हैं, मंदिर निर्माण के लिए सहयोग करते हैं और धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। लेकिन जब कहीं फर्जी चंदा वसूली, दान राशि के दुरुपयोग या वित्तीय अनियमितताओं की खबरें सामने आती हैं, तब स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में पारदर्शिता और जवाबदेही को लेकर प्रश्न उठने लगते हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिंदवाड़ा, मनीष गड़करी

जिले में भी समय-समय पर विभिन्न धार्मिक समितियों द्वारा मंदिर निर्माण, धार्मिक आयोजन अथवा अन्य कार्यों के नाम पर चंदा एकत्र किए जाने की गतिविधियां देखने को मिलती हैं। कई स्थानों पर रसीद पुस्तिकाओं के माध्यम से सहयोग राशि ली जाती है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी होती रही है कि कई बार सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों, स्कूल-कॉलेज संचालकों और आम नागरिकों से सामाजिक अथवा धार्मिक दबाव के वातावरण में सहयोग राशि मांगी जाती है। हालांकि ऐसे मामलों में प्रत्येक संस्था या समिति पर कोई आरोप सिद्ध नहीं है और न ही सभी समितियों को एक ही दृष्टि से देखा जा सकता है।

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि किसी धार्मिक संस्था द्वारा लाखों रुपये का चंदा या दान प्राप्त किया जाता है तो उसकी आय-व्यय का सार्वजनिक लेखा-जोखा कितनी नियमितता से उपलब्ध कराया जाता है, क्या सभी मंदिर समितियां प्रतिवर्ष स्वतंत्र ऑडिट कराकर उसकी जानकारी श्रद्धालुओं के सामने रखती हैं, क्या दान पेटियों की गणना, बैंक जमा, खर्च और निर्माण कार्यों की जानकारी सार्वजनिक सूचना पट्ट या वेबसाइट पर प्रदर्शित होती है, यदि ऐसा नहीं है तो पारदर्शिता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

जिले के कई प्रमुख मंदिरों में प्रतिदिन और विशेष अवसरों पर बड़ी मात्रा में दान प्राप्त होने की चर्चा रहती है। श्रद्धालु पूरी आस्था और विश्वास के साथ दान करते हैं। ऐसे में यह अपेक्षा भी स्वाभाविक है कि प्रत्येक रुपये का उपयोग नियमानुसार और सार्वजनिक हित में हो। यदि किसी मंदिर या समिति के वित्तीय प्रबंधन को लेकर विवाद या शिकायत सामने आती है तो उसका समाधान केवल निष्पक्ष जांच और पारदर्शी व्यवस्था से ही संभव है।

पारदर्शिता से बनी रह सकती है मंदिरों की पारदर्शिता

धार्मिक संस्थाओं से जुड़े जानकारों का भी मानना है कि मंदिरों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए पारदर्शिता सबसे प्रभावी उपाय है। नियमित ऑडिट, आय-व्यय का सार्वजनिक प्रकाशन, बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से लेन-देन, डिजिटल दान प्रणाली और समिति के निर्णयों का रिकॉर्ड सार्वजनिक करने जैसी व्यवस्थाएं श्रद्धालुओं का विश्वास और मजबूत कर सकती हैं। हाल के दिनों में यह भी चर्चा रही कि जिले के एक प्रमुख मंदिर में प्रशासनिक निर्देश पर वित्तीय ऑडिट कराया गया। हालांकि उस ऑडिट की आधिकारिक रिपोर्ट सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है और उसके निष्कर्षों पर कोई अधिकृत जानकारी सामने नहीं आई है। इसलिए किसी प्रकार की अनियमितता का दावा करना उचित नहीं होगा। लेकिन इस तरह की चर्चाएं यह अवश्य संकेत देती हैं कि धार्मिक संस्थाओं में वित्तीय पारदर्शिता की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि धार्मिक दान पूरी तरह स्वैच्छिक होना चाहिए। यदि कहीं किसी व्यक्ति को सामाजिक, धार्मिक या अन्य प्रकार का दबाव महसूस होता है तो उसे संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। वहीं दूसरी ओर, अधिकांश धार्मिक समितियां पूरी ईमानदारी और सेवा भावना से कार्य करती हैं, इसलिए कुछ घटनाओं के आधार पर सभी संस्थाओं पर संदेह करना भी उचित नहीं होगा।

धार्मिक नामों का उपयोग कर चंदा वसूली करने वालों पर हो कार्यवाही

नागपुर में सामने आया कथित फर्जी चंदा वसूली का मामला यह संदेश अवश्य देता है कि धार्मिक संस्थाओं के नाम का दुरुपयोग रोकने के लिए प्रशासन को सतर्क रहना होगा। फर्जी रसीदों, बिना अनुमति चंदा संग्रह और धार्मिक नामों का उपयोग कर आर्थिक लाभ लेने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई आवश्यक है। इससे वास्तविक धार्मिक संस्थाओं की साख भी सुरक्षित रहेगी और श्रद्धालुओं का विश्वास भी बना रहेगा। आस्था और जवाबदेही एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। जिस प्रकार श्रद्धालु विश्वास के साथ दान करते हैं, उसी प्रकार धार्मिक संस्थाओं की जिम्मेदारी भी है कि वे उस विश्वास की रक्षा करें। यदि सभी मंदिर समितियां नियमित ऑडिट, सार्वजनिक आय-व्यय विवरण और पारदर्शी वित्तीय व्यवस्था अपनाएं तो विवादों की संभावना स्वतः कम हो जाएगी। आज आवश्यकता किसी धर्म या मंदिर पर प्रश्नचिह्न लगाने की नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित करने की है जिसमें भगवान के नाम पर एकत्र होने वाली प्रत्येक राशि का उपयोग पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ हो। यही व्यवस्था श्रद्धालुओं की आस्था को मजबूत करेगी और धार्मिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को भी लंबे समय तक बनाए रखेगी।

कुंडा पंचायत जांच में भड़के जनपद CEO, बोले "गड़बड़ी करोगे तो कार्रवाई भी होगी"

कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच के दौरान सरपंच-सचिव को लगाई फटकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

जनपद पंचायत चौरई की ग्राम पंचायत कुंडा में विकास कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं और शासकीय राशि के उपयोग को लेकर की जा रही जांच के दौरान उस समय माहौल गर्मा गया, जब जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) तरुण कुमार राहंगडाले निरीक्षण के दौरान नाराज हो गए। मौके पर मिली कथित खामियों पर उन्होंने सरपंच और पंचायत सचिव को कड़ी फटकार लगाई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार निरीक्षण के दौरान सीईओ ने तीखी नाराजगी जताते हुए कहा, "तुम यहां गंदगी करो और मैं तुम्हारी गंदगी समेटने नहीं बैठा हूं।" उनका यह बयान मौके पर मौजूद लोगों और मीडिया के बीच चर्चा का विषय बन गया। बताया जा रहा है कि यह टिप्पणी पंचायत में सामने आई कथित अनियमितताओं और कार्यों में पाई गई कमियों को लेकर की गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कुंडा में विकास कार्यों, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता तथा शासकीय राशि के उपयोग को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जा रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर जनपद पंचायत की टीम जांच के लिए गांव पहुंची। जांच के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया तथा उपलब्ध दस्तावेजों का मौके की स्थिति से मिलान किया।

निरीक्षण के दौरान जब मीडिया प्रतिनिधियों ने पंचायत सचिव से शिकायतों और दस्तावेजों के संबंध में सवाल पूछे, तो उन्होंने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी और कैमरे से बचते हुए वहां से निकल गए। सचिव की इस चुप्पी को लेकर भी स्थानीय स्तर पर कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

हालांकि अभी जांच प्रक्रिया जारी है और प्रशासन की ओर से अंतिम रिपोर्ट जारी नहीं की गई है। ऐसे में यह स्पष्ट होना बाकी है कि शिकायतों में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं या नहीं। यदि जांच में वित्तीय अनियमितताओं या नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है, तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

फिलहाल पूरे मामले पर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की नजरें जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं, जिससे पंचायत में हुए विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है।

फावड़े से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाने वाले अभियुक्त को 4 वर्ष का सश्रम कारावास

हरिभूमि न्यूज, छिंदवाड़ा। शुक्रवार को माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश, छिंदवाड़ा श्री सुशांत हुद्दार के न्यायालय द्वारा थाना कुंडीपुरा के अपराध क्रमांक 170/2024 से संबंधित सत्र प्रकरण में निर्णय पारित करते हुए अभियुक्त दुर्गेश उईके पिता अतर लाल निवासी बोरिया थाना कुंडीपुरा जिला छिंदवाड़ा ,को दोषी पाते हुए 4 वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से दंडित किया गया।प्रकरण के अनुसार फरियादी शिवपाल उईके पिता कृष्णपाल उईके, निवासी ग्राम बोरिया, थाना कुंडीपुरा, जिला छिंदवाड़ा ने थाना कुंडीपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, कि दिनांक 07 मार्च 2024 को वह अपने मौसी के लड़के रोहित उईके निवासी सोनाखार के साथ मोटरसाइकिल से अपनी मामी वैजयंती धुर्वे के घर ग्राम बोरिया गया था। रात्रि लगभग 09:00 बजे वापस लौटते समय वे आसाराम रंगारे की किराना दुकान के सामने पहुंचे, जहां अभियुक्त दुर्गेश उईके एवं शंकर सरेयाम सहित अन्य लोग सड़क किनारे खड़े थे।मोटरसाइकिल रुकने पर अभियुक्तों द्वारा रोहित से विवाद करते हुए अश्लील गालियां दी जाने लगीं। विरोध करने पर अभियुक्त दुर्गेश उईके ने पास में रखे फावड़े से रोहित के चेहरे पर वार कर दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं तथा खून निकलने लगा। वहीं सह-अभियुक्त शंकर सरेआम ने भी रोहित के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। बीच-बचाव करने आए शिवपाल उईके को भी चोटें आईं। घटना के बाद अभियुक्तगण जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए।थाना कुंडीपुरा पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 170/2024 पंजीबद्ध कर भारतीय दंड संहिता की धाराओं 294, 323, 324, 326, 506 एवं 34 के अंतर्गत विवेचना की गई। विवेचना पूर्ण होने पर अभियुक्तगण के विरुद्ध न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया।विचारण के दौरान अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं गवाहों के कथनों के आधार पर न्यायालय ने अभियुक्त दुर्गेश उईके को दोषी सिद्ध पाते हुए उसे 4 वर्ष के सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से दंडित किया। सह-अभियुक्त शंकर सरेआम को पूर्व में ही इसी प्रकरण में दंडित किया जा चुका था। अभियुक्त दुर्गेश उईके फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी के पश्चात उसके विरुद्ध पृथक विचारण उपरांत यह निर्णय पारित किया गया।प्रकरण में शासन की ओर से लोक अभियोजक अजय पालीवाल द्वारा पैरवी की गई।

निगम की बड़ी कार्रवाई: सिवनी प्राणमोती में दो और कॉलोनियां अवैध घोषित

छिंदवाड़ा। नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा सीमा क्षेत्रान्तर्गत मौजा सिवनी प्राणमोती में बिना किसी सक्षम प्रशासनिक अनुमति के अवैध रूप से भूखंडों का क्रय-विक्रय कर अनाधिकृत कॉलोनियों का निर्माण करने के मामले में निगम प्रशासन द्वारा पुनः दो बड़े मामलों में संयुक्त वैधानिक कार्रवाई की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सिवनी प्राणमोती निवासी श्री सुमरवती पिता सुखलाल द्वारा खसरा नंबर 22/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.299 हेक्टेयर भूमि पर डायवर्शन (व्यपवर्तन) एवं विकास की अनुमति प्राप्त किए बिना अपने स्वामित्व की भूमि को 13 छोटे-छोटे भूखंडों में विभक्त कर अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण कर विक्रय किया गया। इसी प्रकार, एक अन्य मामले में यहीं के निवासी श्री सुमेरु पिता मनीराम द्वारा भी खसरा नंबर 153/4/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.1041 हेक्टेयर भूमि पर बिना किसी सक्षम अनुमति के डायवर्शन व विकास नियमों का उल्लंघन करते हुए भूमि को 30 छोटे-छोटे भूखंडों में विभक्त कर अवैध कॉलोनी का निर्माण व क्रय-विक्रय किया गया। नियमानुसार किसी भी कॉलोनी में भूखंड विक्रय करने के पूर्व रेरा (**RERA**) में रजिस्ट्रेशन कराना, भूमि का व्यपवर्तन कराना, कालोनाइजर लाइसेंस प्राप्त करना तथा कॉलोनी विकास की सक्षम अनुमति लेना अनिवार्य है, किंतु दोनों ही भूमि स्वामियों द्वारा इनमें से किसी भी प्रकार की वैधानिक अनुमति प्राप्त नहीं की गई।

नियमों के उल्लंघन पर भू-स्वामियों के विरुद्ध पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के आदेश

राजस्व निरीक्षक मंडल एवं मौजा पटवारी के संयुक्त जांच दल द्वारा मौके का निरीक्षण कर प्रस्तुत किए गए पृथक-पृथक प्रतिवेदनों और पंचनामे के आधार पर इन दोनों अनाधिकृत कॉलोनियों के निर्माण की पुष्टि हुई, जो मध्यप्रदेश नगरपालिका (कॉलोनी विकास नियम 2021) का स्पष्ट उल्लंघन है। इस संबंध में निगम प्रशासन द्वारा दोनों ही भू-स्वामियों को सूचना पत्र जारी कर जवाब मांगा गया था, परंतु संबंधितों द्वारा नियत अवधि में आज दिनांक तक कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया। मध्यप्रदेश नगरपालिका (कालोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बन्धन तथा शर्तें) नियम 2021 के भाग-3 की कंडिका 22 (2) (3) एवं (4) के तहत अनाधिकृत कॉलोनियों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई और संबंधितों के विरुद्ध सुसंगत कानूनी धाराओं के तहत पुलिस थाने में प्राथमिक सूचना (**FIR**) दर्ज कराये जाने का स्पष्ट प्रावधान है। अतः उक्त नियमों के अंतर्गत सक्षम प्राधिकारी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मौजा सिवनी प्राणमोती स्थित इन दोनों स्वामियों की उक्त संपूर्ण भूमियों पर विकसित की गई कॉलोनियों को तत्काल प्रभाव से 'अवैध व अनाधिकृत कॉलोनी' घोषित कर दिया गया है तथा दोनों ही संबंधितों के विरुद्ध पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

कुआं बादला सर्किल की बीटों में हो रही है बेशकीमती सागौन की अवैध कटाई

जंगल गश्ती और नाकों पर निवास नहीं करना कटाई की वजह

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया वन परिक्षेत्र में वन संरक्षण को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। एक ओर बीते कुछ वर्षों में सरई के पेड़ों पर साल बोरर कीट के प्रकोप से बड़ी संख्या में पेड़ सूख गए, वहीं दूसरी ओर कुआंबादला सर्कल के जंगलों में सागौन की कथित अवैध कटाई और रेत के अवैध उत्खनन की गतिविधियां लगातार जारी रहने के आरोप सामने आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार तामिया बीट में साल बोरर कीट के कारण 500 से अधिक सरई के पेड़ सूख चुके हैं। यह संख्या वन विभाग के रिकॉर्ड में भी दर्ज बताई जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे जंगल का बड़ा हिस्सा वृक्षविहीन हो गया, जबकि क्षतिपूर्ति के लिए किए गए वृक्षारोपण से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले।

इससे क्षेत्र की जैव विविधता और पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।इधर, कुआंबादला सर्कल के अंतर्गत राजढाना, धगड़िया, धूसाबानी और बेल पठार से लगे जंगलों में सागौन की अवैध कटाई तेज होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तस्कर पहले पसंदीदा पेड़ों को काटते हैं, फिर मौके पर ही उन्हें चौखट, पटिया और सिल्ली के आकार में तैयार कर आसानी से ले जाते हैं। जंगल में पड़े लकड़ी के छिलके और कटे हुए तनों के अवशेष इन गतिविधियों की ओर संकेत करते हैं।

स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि वन विभाग द्वारा बनाए गए कई वन नाके अधिकांश समय खाली रहते हैं, जिससे अवैध कटाई और रेत उत्खनन करने वालों के हौसले बुलंद हैं। इससे पहले भी वन संरक्षण को लेकर विभाग को लिखित शिकायतें दी जा चुकी हैं, जिनमें कुछ वनकर्मियों पर मिलीभगत के आरोप लगाए गए थे। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

क्षेत्रवासियों ने नवागत रेंजर से मांग की है कि वर्षाकाल में मैदानी अमले की नियमित तैनाती सुनिश्चित कर गश्त बढ़ाई जाए, ताकि सागौन की अवैध कटाई और अवैध उत्खनन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उनका कहना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो जंगलों को होने वाली क्षति की भरपाई करना कठिन होगा।

इनका कहना है

कुआं बादला सर्कल के डिप्टी रेंजर से हो रही इस अवैध सागौन कटाई के संबंध में उनके मोबाइल पर संपर्क किया गया तो उन्होंने अपना मोबाइल ऑपरेट नहीं किया जिस कारण उनका इस सागौन की अवैध कटाई संबंधित पक्ष नहीं मिल पाया।

सांदीपनि स्कूल-अस्पताल मार्ग बना हादसों का सबब

हरिभूमि न्यूज ⏭ सौंसर

नगर की एक प्रमुख जीवन-रेखा मानी जाने वाली सांदीपनि स्कूल और शासकीय अस्पताल को जोड़ने वाली सड़क वर्तमान में अपनी संकीर्णता के कारण गंभीर हादसों को निमंत्रण दे रही है। इस मार्ग पर बढ़ते यातायात के दबाव और सड़क की कम चौड़ाई ने स्कूली बच्चों से लेकर मरीजों तक की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा दिया है।यह मार्ग नगर के शैक्षणिक और स्वास्थ्य हब को जोड़ता है। यहाँ से दिनभर स्कूल बसों, एंबुलेंस और अन्य भारी मालवाहक वाहनों का भारी आवागमन रहता है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सड़क इतनी संकरी है कि दो बड़े वाहनों का एक साथ गुजरना लगभग असंभव है। कई बार स्कूली बसों और एंबुलेंस के आमने-सामने आने पर वाहन चालकों को किनारों पर उतरना पड़ता है, जिससे किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सबसे चिंताजनक स्थिति तब होती है जब अस्पताल जाने वाली एंबुलेंस इस मार्ग पर जाम में फंस जाती है। समय पर अस्पताल न पहुँच पाने के कारण गंभीर मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है।

ज्यादा दुर्घटनाओं वाले ब्लैक स्पॉट का किया अधिकारियों ने निरीक्षण

पांढुर्णा। ग्राम तिगांव के आगे मोही घाटी वाले हाईवे रोड पर बीते कुछ माह में तेजी से बढी दुर्घटनाओं की तादाद ने प्रशासन का सिरदर्द बढा दिया है। आज कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के निर्देश पर एसडीएम अलका एक्का और राजस्व दल दुर्घटना वाले स्थानों का मुआयना किया। ब्लैक स्पॉट वाले क्षेत्र का इस राजस्व दल ने बारीकी से जायजा लेते हुए दुर्घटाओं में वृद्धि के कारणों का अनुमान लगाने का प्रयास किया। इस मौके पर दुर्घटना वाले संभावित स्थानों पर चेतावनी एवं दिशा सूचक सूचना चस्पा करने, अतिरिक्त सुरक्षा संकेतक, रिफलेक्टर और अन्य सुरक्षा उपायों एव सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता दिए जाने की निर्देश दिए।

यूरिया वितरण से डीएपी की अनिवार्य टैगिंग समाप्त, मक्का उत्पादकों को राहत

छिंदवाड़ा। जिले में किसानों को यूरिया वितरण के दौरान डीएपी की अनिवार्य टैगिंग समाप्त कर दी गई है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद किसानों को अब यूरिया प्राप्त करने के लिए अनिवार्य रूप से डीएपी खरीदने की आवश्यकता नहीं होगी। यह निर्णय किसानों द्वारा उठाई गई आपत्तियों और प्रशासन के समक्ष रखी गई मांगों के बाद लिया गया है। जानकारी के अनुसार, छिंदवाड़ा जिले में मक्का की खेती बड़े पैमाने पर होती है, जिसमें डीएपी की अपेक्षा यूरिया की अधिक आवश्यकता रहती है। किसानों का कहना था कि अनिवार्य टैगिंग के कारण उन्हें आवश्यकता न होने पर भी डीएपी खरीदना पड़ रहा था। ई-विकास प्रणाली में किए गए नए प्रावधान के अनुसार अब किसानों को डीएपी के स्थान पर लगभग 600 की एक बोरी सुपर फॉस्फेट लेने के बाद अपनी भूमि के औसत रकबे के अनुसार आवश्यक मात्रा में यूरिया उपलब्ध कराया जाएगा। नई व्यवस्था से विशेष रूप से मक्का उत्पादक किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है।

विरोध करने पर लाठी-डंडों से किया हमला, घायल दंपती अस्पताल में भर्ती, बहू ने बचाई जान

शराब के लिए कलयुगी बेटे ने बुजुर्ग माता-पिता को पीटा, अनाज बेचकर पी गया शराब

हरिभूमि न्यूज ⏭ पांढुर्णा

विकासखंड के ग्राम पैलेपार में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ एक कलयुगी बेटे ने शराब की लत को पूरा करने के लिए अपने ही बुजुर्ग माता-पिता की बेरहमी से पिटाई कर दी। वृद्ध दंपती का कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होंने बेटे को घर में रखा अनाज बेचकर शराब पीने से मना किया था। लहूलुहान अवस्था में दोनों बुजुर्गों को उनकी बहू ने शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया है, जहाँ उनका उपचार जारी है।

घर का अनाज बेचकर पी गया शराब

गुस्से में पगलाए सुभाष ने पास ही पड़े लाठी-डंडों से अपने बूढ़े माता और पिता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। वह उन्हें तब तक पीटता रहा जब तक कि दोनों बेसुध नहीं हुए। इसके बाद निर्दयी बेटा घर में रखा गेहूं लेकर रफूचक्कर हो गया और उसे बेचकर शराब पी ली।

बहू बनी मददगार, पुलिस जांच में जुटी

इस वारदात के बाद दोनों लहूलुहान बुजुर्गों को की मदद के लिए आगे आई। उसने मानवता दिखाते हुए घायल सास-ससुर को पांढुर्णा के शासकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि मामले की गंभीरता से विवेचना की जा रही है और आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विरोध करने पर डंडे से किया हमला

अस्पताल में भर्ती पीड़ति हिरामन 62 वर्ष, पिता दामा उईके निवासी ग्राम पैलेपार, ग्राम पंचायत मारूड़ ने रुंधे गले से अपनी आपबीती सुनाई। उन्होंने बताया कि उनके बेटे सुभाष को शराब की गंभीर लत है। गत दिवस सुभाष अपने इस शौक को पूरा करने के लिए घर में रखा गेहूं बेचने की जिद पर अड़ गया और उसे उठाकर ले जाने लगा। जब हिरामन और उनकी पत्नी भागीरथी ने इसका कड़ा विरोध किया और उसे रोकने का प्रयास किया, तो सुभाष आपे से बाहर हो गया।

वार्ड-वार्ड पहुंचीं अध्यक्ष, जनसमस्याओं पर सख्त रुख

नाली, पुलिया, पेयजल, स्टेडियम और अमृत-2 योजना के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ चौरई

नगर पालिका परिषद चौरई की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा शरद जैन ने नगर के सभी वार्डों के निरीक्षण अभियान के तहत वार्ड क्रमांक 15 लक्खा पिपरिया का व्यापक दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड पार्षद एवं सभापति सरिता दीपक वर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी अंकिता बर्मन, इंजीनियर शेख आशिक तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ क्षेत्र का निरीक्षण कर नागरिकों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान संतुष्टि लाल से अन्नपूर्णा लाइन के बीच जल निकासी की गंभीर समस्या सामने आई। इस पर नगर पालिका अध्यक्ष ने सीएमओ को तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही क्षेत्र में पुलिया एवं नाली निर्माण का कार्य शीघ्र प्रारंभ कर समयबद्ध रूप से पूरा कराने के आदेश भी दिए।दौरे के दौरान आदिवासी बालिका छात्रावास एवं स्कूल का निरीक्षण कर छात्राओं के लिए स्वच्छ एवं नियमित पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।इसके बाद नगर के प्रस्तावित दूसरे स्टेडियम ग्राउंड का निरीक्षण किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि यह मैदान चौरई के खिलाड़ियों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। उन्होंने ग्राउंड की लेवलिंग और परिसर में लगे विद्युत पोलों को हटाने की प्रक्रिया तत्काल शुरू कर मैदान को जल्द से जल्द बच्चों के उपयोग के लिए उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।नगर परिषद द्वारा प्रस्तावित गीता भवन के निर्माण के लिए चयनित भूमि का भी अवलोकन किया गया। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को निर्माण प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। इसके साथ ही रानी दुर्गावती स्टेडियम में बन रहे इंडोर बैडमिंटन हॉल एवं समीप निर्मित हो रहे कम्युनिटी हॉल क्रमांक-2 का कार्य भी शीघ्र पूर्ण कर खिलाड़ियों और आम नागरिकों को समर्पित करने के निर्देश दिए।

स्टेडियम ग्राउंड क्रमांक-2 में स्थित बिजली के पोलों को हटाने के संबंध में विद्युत मंडल के मुख्य अभियंता अंकित जैन भी मौके पर पहुंचे और विभागीय सहयोग का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के दौरान इंटकेवल क्षेत्र में ट्रांसफार्मर शिफ्टिंग तथा अमृत-2 योजना की पाइपलाइन को वार्ड क्रमांक 15 एवं वार्ड क्रमांक 6 से शीघ्र जोड़ने पर भी चर्चा हुई।अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा शरद जैन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों के छोटे-छोटे कार्यों का तत्काल निराकरण किया जाए तथा स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि नगर पालिका की यह वार्ड-वार्ड निरीक्षण श्रृंखला लगातार जारी रहेगी और वे स्वयं प्रत्येक वार्ड में पहुंचकर नागरिकों से सीधे संवाद कर विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेंगी। निरीक्षण के दौरान पूर्व उपाध्यक्ष संजय सुकांत जैन, दीपक वर्मा, पूर्व पार्षद जितेंद्र चौरे, भाजपा नेता सुरेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक एवं महिलाएं भी उपस्थित रहीं।

पौधा लगाकर जैवविविधता का किया संरक्षण संरक्षण

छिंदवाड़ा। जिले की जैवविविधता को बचाने के हर व्यक्ति को कुछ न कुछ पहल करना चाहिए जिससे की जैवविविधता को संरक्षित किया जा सके। स्वंय सेवी संस्था कुकड़ा ग्राम उत्थान समिति के द्वारा स्थानीय होमगार्ड परिसर को हरा भरा रखने पौधा रोपण स्वंसेवको की उपस्थिति मे किया गया। संस्था के संयोजक श्यामल राव ने बताया की उक्त परिसर मे विगत कई वर्षों से विभाग एवं पर्यावरण प्रेमियों के द्वारा विभिन्न प्रजातियों के पौधे का रोपण किया गया जो वर्तमान मे सुरक्षित एवं सुपोषित अवस्था मे हे, जैवविविधता बनी रहे इस हेतु पर्यावरण विद श्यामल राव ने सिविल डिफेंस के वालेंटियर्स से कहा की पर्यावरण संरक्षण के लिए लगे हुए वृक्षों का संरक्षण एवं जैवविविधता का संरक्षण करने के लिए अपने घरो मे एक पौधा अपने नाम से अवश्य लगाये। वही अपने घरो पर खाने वाले फलो से निकले आम की गुठली, जामुन , इमली, सीताफल, के बीजो का रोपण खुले जंगलो ,खेत के मेढो.एवं टेकड़ी मे कर पर्यावरण संरक्षण मे योगदान देने की अपील की।

न्यूटन चिखली के दो श्रद्धालु करेंगें कामाख्या देवी के दर्शन

न्यूटन / परासिया :- मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत न्यूटन के दो श्रद्धालु कामाख्या देवी के दर्शन करने जाएंगे। इन श्रद्धालुओं का नगर पंचायत न्यूटन चिखली में सम्मान किया गया। न्यूटन बी टाइप त्रिमूर्ति क्षेत्र में रहने वाले कपड़ा व्यवसायी श्याम कुमार राय एवं उनकी पत्नी को इस वर्ष मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ मिला। जिन्हें शुक्रवार को नगर पंचायत कार्यालय में अध्यक्ष अनुपमा हेमंत राय , उपाध्यक्ष संतलाल यादव , सभापति नीरू चंदेल , कविता यदुवंशी के द्वारा शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनकी तीर्थ यात्रा हेतु शुभकामनायें दी गई। उनकी मंगलमय और सुरक्षित यात्रा की कामना की गई। ये दोनों श्रद्धालु शनिवार को कामाख्या देवी (असम) के लिए रवाना होंगे। सम्मान कार्यक्रम के दौरान मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद से जुड़े दीपक गेडाम , शैलेन्द्र राय और संतोष भलावी मौजूद रहे।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में हुआ ऑनलाइन मेंटल हेल्थ जागरूकता कार्यक्रम

परासिया :- शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, खिरसाडोह में छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ऑनलाइन मेंटल हेल्थ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के. एन. झा ने मानसिक स्वास्थ्य की पहचान, व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों के माध्यम से उसके लक्षणों को समझने तथा समय पर उचित उपचार एवं परामर्श के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घर एवं आसपास बच्चों और छात्र-छात्राओं के व्यवहार का सूक्ष्म अवलोकन कर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की प्रारंभिक पहचान की जा सकती है तथा समय रहते उचित सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने गंभीरता एवं उत्साहपूर्वक सहभागिता की। महाविद्यालय के प्राचार्य एच. डी. पाटिल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए वर्तमान समय में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी रहा।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं का किया सम्मान, कामाख्या धाम के लिए कल होंगे रवाना

जुन्नारदेव। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जुन्नारदेव से चयनित छः श्रद्धालुओं को नगर पालिका परिषद परिसर में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर नगर पालिका के जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने श्रद्धालुओं का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया तथा उन्हें शुभ यात्रा की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। जानकारी के अनुसार, तीर्थयात्री 11 जुलाई को छिंदवाड़ा से कामाख्या धाम (असम)के लिए रवाना होंगे। यात्रा से पूर्व नगर पालिका परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी नेहा धुर्वे ने सभी यात्रियों को सफल एवं मंगलमय यात्रा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना वरिष्ठ नागरिकों और पात्र हितग्राहियों को धार्मिक स्थलों के दर्शन कराने की महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में नपा अध्यक्ष, रमेश जी नपा उपाध्यक्ष सोनिया कुमरे एवं सभापति अमित यादव,पार्षद प्रमोद बंदेवार, देवेंद्र टांडेकर, विजय पाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी श्रद्धालुओं को माला पहनाकर सम्मानित किया।

महिलाओं ने बिछुआ में किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिछुआ

बिछुआ में पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से महिलाओं द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, स्वच्छ हवा उपलब्ध कराने तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने की अपील की।वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। प्रतिभागियों ने पौधों की सुरक्षा और उनके नियमित रखरखाव का संकल्प लेते हुए इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाने का विश्वास व्यक्त किया।इस दौरान मुख्य रूप से मंडल महामंत्री एवं पार्षद श्रीमती कीर्ति करमेले,मंडल उपाध्यक्ष श्रीमती झीटो बाई धुर्वे,महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती माया पटेल,श्रीमती शारदा खुबेले,श्रीमती सरिता सूर्यवंशी, रोशनी खुबेले,आरती मालवीय,गायत्री डेहरिया,अंजू चौहान,समेत स्थानीय मातृशक्ति उपस्थित रही।

स्वच्छता का संकल्प सम्मानित हुए विद्यार्थी

छिंदवाड़ा। नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहाके एवं आयुक्त सी.पी. राय के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे स्वच्छता अपनाओ बीमारी भगाओ अभियान के दूसरे दिन समाज सेविका सुश्री आराधना पवार की पहल पर संस्कार वैली पब्लिक स्कूल में स्वच्छता सभा का आयोजन कर विविध कार्यक्रम किए गए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में नगर निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर दीपक राज जैन सम्मिलित हुए ओर उन्होंने सभी विद्यार्थियों सहित प्रबंधन को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का महत्व बताया साथ ही पर्यावरण संरक्षण सहित स्वच्छता की शपथ दिलाकर छिंदवाड़ा को स्वच्छ - स्वस्थ एवं सुंदर बनाने की अपील की।कार्यक्रम के दौरान ब्रांड एंबेसडर बादल भारद्वाज ने स्वच्छता गीत सुनाकर सभी का मन जीत लिया वहीं अंकिता सोनी ने कचरा प्रबंधन सहित बारिश के दिनों में बीमारी से बचने हेतु हांथ धोने की विधि बताई।

उप संचालक कृषि मोरिश ने की हर्रई क्षेत्र की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हर्रई

विकासखंड हर्रई में 10 जुलाई 2026 में नव नियुक्त उप संचालक कृषि विकास, मोरिश नाथ ने विकासखंड हर्रई का दौरा कर कृषि विभाग की गतिविधियों की समीक्षा की। इस दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी एन.के. पटवारी, सहायक संचालक कृषि धीरज ठाकुर, सहायक संचालक कृषि दीपक चौरसिया, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विनोद कुमार टांडेकर तथा कृषि विस्तार अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभागीय योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की समय-सीमा में पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उर्वरक वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा गया कि सभी समितियों एवं निजी विक्रेताओं द्वारा शासन की ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से ही किसानों को निर्धारित शासकीय दर पर उर्वरकों का वितरण सुनिश्चित किया जाए।बैठक के उपरांत उप संचालक कृषि ने विकासखंड स्तरीय संचालित मृदा परीक्षण मिनी लैब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लैब में उपलब्ध सुविधाओं, उपकरणों एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इसके पश्चात विपणन सहकारी समिति मर्यादित अमरवाड़ा द्वारा हर्रई में संचालित खाद विक्रय केंद्र का भी निरीक्षण किया गया।

यहां उर्वरक वितरण व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए, ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने विभिन्न मांगो को लेकर विधायक विवेक पटेल को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। महंगाई भत्ता,पेंशनरों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा और लंबित एरियर्स,मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच मंहगाई राहत के लिए सहमति लेने वाली धरा 49(6) को पूरी तरह खत्म किया जाए।80 वर्ष के बजाए 79 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पेंशनरों को 20 प्रतिशत अतिरिक्त पेंशन मिलना शुरू किया जाए।केंद्र सरकार के समान और समय पर पूरी मंहगाई राहत दी जाए।जैसे विभिन्न मांगो को लेकर प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने शुक्रवार को विधायक जनसंपर्क कार्यालय पहुंचकर विधायक विवेक विक्की पटेल को ज्ञापन सौंपा।इस दौरान जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा,कार्यकारी अध्यक्ष एस एस गंगेले,उपाध्यक्ष के एल लिल्हारे,बसंत मिश्रा,छगनलाल विजयवार,दिनेश नेमा,अशोक शुक्ला,सोहनलाल डोहरे,दशराम पटले,एन पी नेमा,आर एस बैस,मनोहर बोकडे,सुरेश दुबे,शिवलाल चौधरी,बाजीराव डहाके मौजूद रहे।

संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष शिवशंकर गंगेले ने बताया कि मध्यप्रदेश के पेंशनर्स 2019 से लेकर आज तक लगातार आर्थिक हानि के साथ मानसिक त्रासदी भुगत रहे है।और उनमें से लगभग 45 प्रतिशत के करीब यह त्रासदी झेलते झेलते दिवंगत हो चुके है।पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान से लेकर वर्तमान मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव,मंत्रियों और अधिकारियों को हजारों पत्र प्रस्तुत किए किन्तु सरकार ने आज तक कोई ध्यान ही नहीं दिया।ये सरकार पेंशनर्स के विरोधी है।मध्यप्रदेश सरकार का हमारी समस्याओं पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं है।हमारी मांग है।की हम पेंशनरों की मांगो को सरकार पूरे करे।विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि कई वर्षों से प्रमुख पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मंत्रियों और अधिकारियों के माध्यम से अपनी समस्या मुख्यमंत्री तक पहुंचाई है।मगर भाजपा के नेताओं को इन पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों की कोई चिंता नहीं है।इनकी मांग पूरी होना चाहिए।ये अपना अधिकार मांग रहे है।मगर शासन इनके अधिकारों को छीन रही है।विधानसभा सत्र प्रारंभ होने वाला है।हम इनकी मांगो को ध्यान आकर्षण के माध्यम से सरकार को जगाने का प्रयास करेंगे।वहीं इन पेंशनर्स की मांग पूरी की जाए। मुख्यमंत्री के नाम पत्र भेजा गया है।

पटवारी की टीम अतिक्रमण को हटाने पहुंची, ग्राम के कुछ लोगों द्वारा पंचों के साथ की मारपीट

हरिभूमि न्यूज किरनापुर। पुलिस थाना किरनापुर के ग्राम साल्हे निवासी टीकाराम/ मेहतर कावरे वार्ड न. 12 का वार्ड पंच ने 10जुलाई .2026 को एक लिखित शिकायत पुलिस थाना किरनापुर में दी। उन्होंने बताया कि ग्राम में तहसील किरनापुर से पटवारी लोग की अतिक्रमण को हटाने आईं थीं ग्राम के सालिकराम खरे, नवलसाय कावरे, भागन बाई नागेश्वर, कुजीलाल अड़मे, गरीब मात्रे, नब्बू देशमुख, संतूराव वल्के, गजेन्द्र चौकसे, तिलकचंद पन्दे, रेनलाल खरे, तिलक देशमुख के द्वारा की शासकीय भूमी का अतिक्रमण हटवाने के लिये पटवारी की टीम आई थी। जिसमे पटवारी मनीष गायकवाड, वैभव चोरनेले, जितेन्द्र वाडिवा, विपूल पटले आये थे। सरपंच द्वारा हमें बताया गया था कि पटवारी टीम आ रही है टीम का सहयोग करना है, बताने पर मैं ग्राम कोटवार महेन्द्र रामटेके, पुलिस पटेल जयचंद सिधनधूपे के साथ देव नदीके किनारे शंकर मंदिर के पास गया हुआ था वहां पर अतिक्रमणकर्ता अपने कुछ परिचितों के साथ खड़े थे जो पटवारियों की टीम को देखकर आक्रोषित होकर मुझे गंदी गंदी अश्लील गालियां देने लगे कि गांव का आदमी होकर पटवारियों का साथ दे रहा है कहते हुये मां बहन की गालिया जो सुनने में बुरी लग रही थी जिसे मैने गालिया देने से मना किया तो रंगलाल पांचे, सालिकराम खरे दोनो एक राय होकर आकर मुझे लकड़ी से मारने लगे तब बीच बचाव करने गाव का पुलिस पटेल जयचंद सिधनधूपे आया तो उसे गांव के सुरेश खरे एवं नेतलाल खरे आकर हाथ मुक्तो से मारपीट किये गंदी-गंदी गालिया दिये हम दोनो को पीटता देखकर फिर बीच बचाव करने गांव का जगत कावरे आया तो उसे नेतलाल खरे ने लकड़ी से मारा है, मारपीट करने से मुझे दाया कंधा, पीठ, दाहिने हाथ में चोट लगी दर्द है तथा जयचंद सिंधनधूपे को बाये पैर जांघ में चोट लगी दर्द हो रहा है। मारपीट करने के बाद रंगलाल पाचे, सालिकराम खरे, सुरेश खरे. मोतीलाल खरे, नेतलाल खरे सभी लोग एक राय होकर धमकी दिये है कि दुबारा हमारा जमीन का अतिक्रमण हटाने आओगे तो तुम्हे जान से खत्म कर देंगे की धमकी दिये है। घटना को पटवारियों ने ग्राम सरपंच त्रिवेन्द पंचेश्वार, ग्राम कोटवार महेन्द्र रामटेके उप सरपंच यादोराव देशमुख, नेतलाल पाचे व गांव के अन्य लोगों ने देखे सुने है फिर मैं रिपोर्ट करने जगत कावरे, जयचंद सिधनधूपे, सरपंच, उपसरपंच के साथ रिपोर्ट करने थाना आया हू रिपोर्ट करता हूं कार्यवाही की जाये। कि रिपोर्ट पर रंगलाल / कुंवर लाल पाचे शालिकग्राम/ सकरु खरे, सुरेश रैनलाल खरे ,मोतीलाल/ चुन्नीलाल खरे, नेतलाल /चैन लाल खरे पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में प्राथमिकी दर्ज की गई। जिस पर धारा भा.न्याय संहिता बीएन एस 296(बी),115(2),351(3),3(5), जिसकी जांच पुलिस थाना के एएसआई फूलचंद गजभिए कर रहे हैं।

एसएसपी महाविद्यालय वारासिवनी में मनाया गया भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस

बालाघाट। शासकीय शंकरसाव पटेल महाविद्यालय, वारासिवनी में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वावधान में 10 जुलाई को भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस.एस. गेडाम एवं प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. नरेन्द्र कुमार डोंगरे के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय स्टेट बैंक, वारासिवनी शाखा के प्रबंधक हितेन्द्र पटेल तथा विशिष्ट अतिथि आरबीओ मंडला के प्रतिनिधि श्रेयांस कुमार सिंगोर एवं एसबीआई के सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक रामनाथ पटेल उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत में आधुनिक बैंकिंग प्रणाली के अग्रदूत डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

सीआरपीएफ जवान को साँप ने काटा, उपचार

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

जनपदपं चायत वारासिवनी अंतर्गत ग्राम पंचायत तुमाड़ी में गुरुवार की सुबह खेत में काम करने गए एक सीआरपीएफ जवान को साँप ने काट दिया। पीड़ित जवान को तत्काल परिजनों के द्वारा शासकीय चिकित्सालय वारासिवनी में लाकर भर्ती कराया गया। जहाँ डॉक्टरों की देखरेख में उनका किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम तुमाड़ी निवासी पंकज पिता लेखराम कटरे उम्र 38 वर्ष केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में कार्यरत हैं और वर्तमान में नागपुर में तैनात हैं। इन दिनों वे छुट्टी लेकर अपने गृह ग्राम तुमाड़ी आए हुए हैं। घर पर रहने के दौरान वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी के कार्यों में हाथ बंटा रहे थे। रोजाना की तरह गुरुवार सुबह करीब 6 बजे पंकज अपने खेतों में काम करने के लिए गए हुए थे। सुबह करीब साढ़े 9 बजे जब वे खेत में काम में व्यस्त थे, अचानक उन्हें पैर में किसी जीव के काटने का तीखा अहसास हुआ। पंकज ने तुरंत सतर्क होकर आसपास सांप को ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन वह कहीं नजर नहीं आया। हालांकि पैर पर सांप के काटने के स्पष्ट निशान देखकर वे समझ गए कि उन्हें सर्पदंश हुआ है। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए पंकज ने तत्काल घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी। उन्होंने पंकज को तुरंत शासकीय चिकित्सालय वारासिवनी पहुँचाया, जहाँ डॉक्टर की निगरानी में उनका उपचार किया गया।

परसवाड़ाघाट में 11.99 लाख की नई सीसी सड़क 3 दिन में ही ध्वस्त

ग्रामीणों का आरोप- मटेरियल में भारी अनियमितता, सरपंच से उपयंत्री तक संदिग्ध'

हरिभूमि न्यूज कटंगी। विकास के नाम पर सरकारी खजाने से खर्च हुए लाखों की राशि किस तरह धरातल पर पानी की तरह बह रही है, इसका ताजा उदाहरण बालाघाट जिले की जनपद पंचायत कटंगी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत परसवाड़ाघाट में देखने को मिला। राज्य वित्त आयोग की 11.99 लाख रुपए की लागत से बनी सीसी सड़क महज 3 दिन में ही उखड़ कर बिखर गई। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। गुरुवार को यहां ठेकेदार भारत चौरागड़े अपनी टीम के साथ इन्हीं गड्ढों की मरम्मत में जुटा था। ग्रामीणों का साफ आरोप है कि सड़क निर्माण में तय मापदंडों की खुलेआम अनदेखी की गई। घटिया क्वालिटी का सीमेंट, कम मटेरियल और बिना बेस तैयार किए सड़क बना दी गई। नतीजा यह हुआ कि जिस सड़क से कीचड़ और धूल से मुक्ति की उम्मीद थी, वह अब ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबसे बड़ा कारण बन गई है। कुछ माह पहले क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी ने बड़े उत्साह के साथ इस सड़क का भूमिपूजन किया था। उस समय कहा गया था कि परसवाड़ाघाट के ग्रामीणों को अब पक्की सड़क की सुविधा मिलेगी। पीडब्ल्यूडी रोड से डिलीचंद बोपचे के घर तक सीसी सड़क बनने से आवागमन आसान होगा और गांव का विकास होगा।

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग 15 दिन पहले निर्माण कार्य शुरू हुआ था। 3 दिन पहले ही काम पूरा हुआ और सड़क को आम जनता के लिए खोल दिया गया। लेकिन 72 घंटे के भीतर ही सड़क ने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों की शिकायत पर जब हम परसवाड़ाघाट पहुंचे और सड़क देखे तो स्थिति बेहद खराब थी। लगभग 200 मीटर के अंतराल पर सड़क जगह-जगह से उखड़ चुकी थी। कहीं सीमेंट की परत पूरी तरह निकल गई थी तो कहीं 4 से 5 इंच गहरे गड्ढे बन गए थे। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि ग्रामीण अपने पैरों से ही सड़क को कुरेद रहे थे और सीमेंट की परत चूरे की तरह निकल रही थी। एक जगह तो पूरी सड़क ही बैठ गई थी, जैसे उसके नीचे कोई बेस ही न हो। ठेकेदार भारत चौरागड़े गुरुवार को यहां मजदूरों के साथ मौके पर मौजूद था। गड्ढों में नया सीमेंट और रेत का मिश्रण भरकर मरम्मत का काम चल रहा था। लेकिन ग्रामीणों ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। ग्रामीणों का कहना है तीन दिन में टूटने वाली सड़क की मरम्मत का क्या फायदा? पहली बारिश में यह सब फिर बह जाएगा। यह सिर्फ आंख में धूल झोंकने का काम है।

आधी अधूरी सड़क, गायब हुआ मटेरियल: सड़क को लेकर सबसे बड़ा विवाद इसकी लंबाई को लेकर है। सूचना फलक और स्वीकृति में साफ लिखा है कि सड़क पीडब्ल्यूडी रोड से शुरू होकर डिलीचंद बोपचे के घर तक जाएगी। लेकिन हकीकत में सड़क डिलीचंद बोपचे के घर से लगभग 150 मीटर पहले ही खत्म हो गई। ग्रामीण रमेश बोपचे ने गुस्से में कहा कागज में तो पूरी सड़क बनी दिखाई जाएगी, लेकिन हकीकत में आधी सड़क भी नहीं बनी। बाकी का मटेरियल ठेकेदार रातों-रात उठाकर ले गया। अब पूछने वाला कोई नहीं है। रमेश बोपचे का आरोप है कि निर्माण पूरा होने के बाद साइट पर बची गिट्टी, रेत और सीमेंट के कट्टे भी ठेकेदार द्वारा ले जाए गए।

ग्रामीणों ने खोली घटिया निर्माण की परत: सड़क के घटिया निर्माण को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। ग्रामीण हेमसिंह हरिनखेड़े' ने कहा सड़क में रेशो के हिसाब से मटेरियल ही नहीं डाला गया। सीमेंट कम, रेत ज्यादा। ऊपर से पानी भी सही से नहीं डाला। इसीलिए तीन दिन में ही सड़क उखड़ गई। हम मांग करते हैं कि पूरी सड़क को तोड़कर नए सिरे से बनाया जाए। पुष्पराज बोपचे ने बताया निर्माण में मटेरियल का उपयोग बहुत कम किया गया। 15 दिन पहले काम शुरू हुआ और 3 दिन पहले खत्म। लेकिन जितनी सड़क स्वीकृत थी उतनी बनी ही नहीं। सीमेंट भी निम्नस्तरीय उपयोग की गई है। हाथ लगाते ही पाउडर बनकर गिर रही है। डूंडीलाल बोपचे, वार्ड क्रमांक 10 के पंच' ने सबसे गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा सड़क बनाने से पहले जमीन की मिट्टी और कीचड़ तक नहीं हटाया गया। सीधे कीचड़ के ऊपर ही सीसी डाल दी गई। बिना जीएसबी की परत, बिना फार्मा, बिना वाइब्रेटर के काम किया गया। ऐसे में सड़क टिकेगी कैसे।

खबर संक्षेप

सिवनी की बेटी ने किया जिले का नाम रोशन बनीं खनन निरीक्षक

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कड़ी मेहनत और लगन से हर मंजिल पाई जा सकती है, इसे सच कर दिखाया है सिवनी की जया सोनकेशरिया ने। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षा में जया का चयन खन निरीक्षक के पद पर हुआ है। जया, नगर के शिक्षक दिलीप सोनकेशरिया और श्रीमती वंदना सोनकेशरिया की सुपुत्री हैं। बचपन से ही पढ़ाई में तेज और अनुशासित रहने वाली जया ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। जया की इस उपलब्धि से न केवल परिवार बल्कि पूरे सिवनी जिले में गर्व का माहौल है। समाज के लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि जया अन्य छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनेंगी। इस उपलब्धि पर नगरवासियों ने जया सोनकेशरिया की उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स का चयन अनिवार्य

विद्यार्थियों को रोजगार, नैतिक मूल्य, पर्यावरण एवं कौशल आधारित शिक्षा से जोड़ने की पहल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उच्च शिक्षा विभाग द्वारा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए वैल्यू एडेड कोर्स, संवैधानिक, मानवीय एवं नैतिक मूल्य तथा पर्यावरण शिक्षा एवं स्थिरता आधारित पाठ्यक्रमों का चयन अनिवार्य किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी करीकुलम एण्ड क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्राम्स (सीसीएफपीजी), जून-2024 तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के नवीन अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार प्रत्येक स्नातकोत्तर विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 2 क्रेडिट पॉइंट का एक वैल्यू एडेड पाठ्यक्रम लेना होगा।

वित्तीय साक्षरता कार्यशाला में विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा एवं बैंकिंग की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शासकीय सांदीपनि विद्यालय, सुकतरा में विद्यार्थियों में वित्तीय जागरूकता विकसित करने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को बैंकिंग सेवाओं, डिजिटल लेन-देन, साइबर सुरक्षा तथा बीमा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की गईं। कार्यक्रम में लीड बैंक प्रबंधक प्रवीण दिसोरिया ने विद्यार्थियों को केवाईसी , सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग, ऑनलाइन लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा बढ़ते साइबर फ्रॉड से बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी दी। वहीं, वित्तीय साक्षरता केंद्र के श्री राजेंद्र सदाफल ने बैंकिंग सेवाओं, बचत की आदत, विभिन्न बैंक खातों, ऋण सुविधाओं एवं बीमा योजनाओं की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को वित्तीय रूप से जागरूक बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक गोस्वामी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

सिवनी में आवारा मवेशियों की समस्याः एक गंभीर चुनौती

आवारा मवेशियों ने बिछाया दुर्घटनाओं का जाल, प्रशासन केवल 'वीआईपी' का गुलाम!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

सिवनी शहर की सड़कों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा न केवल यातायात के लिए बाधा बना हुआ है, बल्कि यह आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। बाहुबली चौक, बस स्टैंड, बुधवारी बाजार, छिंदवाड़ा चौक और डूंडा सिवनी जैसे प्रमुख और व्यस्त इलाकों में मवेशियों का बीच सड़क पर बैठना या घूमना अब एक आम बात हो गई है। सिवनी शहर की प्रमुख सड़कों पर अब आवाजाही करना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है। बाहुबली चौक, बस स्टैंड, बुधवारी बाजार, छिंदवाड़ा चौक और डूंडा सिवनी जैसे अति व्यस्त इलाकों में आवारा मवेशियों का झुंड हर पल 'मौत का साया' बनकर मंडरा रहा है। सड़कों पर बेखौफ बैठे इन मवेशियों के कारण हर दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं आम हो गई हैं, जिससे न जाने कितने परिवार दर्द और आर्थिक नुकसान झेल रहे हैं।

क्या जनता की सुरक्षा केवल नेताओं के स्वागत के लिए है?

सबसे बड़ा सवाल और व्यवस्था की विफलता यह है कि नगर पालिका का तथाकथित 'हाका गिरोह' केवल सरकारी कार्यक्रमों और मंत्रियों के दौरों पर ही सक्रिय होता है। अजीब विडंबना है कि जिस सड़क पर रोज़ाना आम नागरिक दुर्घटनाओं का शिकार हो रहा है, वहां से मवेशियों को हटाने की जहमत नगर पालिका तब तक नहीं उठाती, जब तक कोई 'वीआईपी' का आगमन न हो। जैसे ही शहर में किसी मंत्री का कार्यक्रम तय होता है, यह

गिरोह रातों-रात सक्रिय होकर सड़कों को मवेशी मुक्त कर देता है। बाहुबली चौक और बस स्टैंड जैसे व्यस्त इलाकों में इन मवेशियों के कारण दुर्घटनाएं अब एक सामान्य बात हो गई हैं। हर दिन कोई न कोई दोपहिया सवार घायल हो रहा है, लेकिन प्रशासन की नींद तभी टूटती है जब किसी वीआईपी को 'सड़क साफ' चाहिए होती है। यह दोगली कार्यप्रणाली अब बर्दाश्त से बाहर होती जा रही है।

सिवनी प्रशासन का यह दोहरा रवैया अब जनता के सब्र का इम्तिहान ले रहा है। क्या हमें सुरक्षित रहने के लिए भी किसी मंत्री के आने का इंतजार करना होगा? नगर पालिका को यह जवाब देना ही होगा कि यह दिखावा कब बंद होगा और कब आम नागरिकों को मवेशी-मुक्त सड़कें नसीब होंगी?

क्या यह स्पष्ट नहीं है कि नगर पालिका के लिए आम नागरिकों की सुरक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण वीआईपी प्रोटोकॉल है?

सड़कों पर बिछा है हादसों का जाल

अंधे मोड़ और आवारा पशुः बस स्टैंड और छिंदवाड़ा चौक पर मवेशियों के झुंड के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे पीछे से आने वाले वाहन टकरा जाते हैं। दोपहिया वाहनों के लिए खतराः सबसे अधिक शिकार बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक हो रहे हैं, जो मवेशियों से टकराकर गंभीर चोटिल हो रहे हैं।

प्रशासनिक संवेदनहीनताः जब तक कोई बड़ा हादसा न हो जाए, तब तक प्रशासन का रुख उदासीन ही बना रहता है।

प्रशासन को चेतावनीः दिखावा नहीं, समाधान चाहिए

नगर पालिका को यह समझना होगा कि शहर की व्यवस्था 'दिखावे' से नहीं चलती। यदि आप वीआईपी आने पर सड़कों को 24 घंटे में खाली कर सकते हैं, तो यह कार्य साल के 365 दिन क्यों नहीं हो सकता? सिवनी की जनता अब और इंतज़ार नहीं कर सकती। प्रशासन को अपनी कार्यशैली में सुधार लाना होगा। आवारा मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में शिफ्ट करना और उनके मालिकों पर सख्त कानूनी कार्रवाई करना ही एकमात्र समाधान है।याद रखिए, सड़कों पर फैलती यह अव्यवस्था किसी दिन किसी बड़ी अनहोनी को जन्म दे सकती है। क्या प्रशासन तब जागेगा जब कोई बड़ी दुर्घटना होगी?

समय पर जीएसटीआर-1 विवरण पत्र दाखिल करें, विलंब करने वाले 32 व्यापारियों को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

वाणिज्यिक कर (जीएसटी) विभाग द्वारा समय पर जीएसटीआर-1 विवरण पत्र दाखिल नहीं करने वाले पंजीकृत व्यापारियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। निर्धारित समय-सीमा के बाद विवरण पत्र प्रस्तुत करने वाले 32 व्यापारियों को शास्ति (पेनाल्टी) संबंधी नोटिस जारी किए गए हैं। साथ ही उनसे नियमानुसार शास्ति की वसूली की कार्रवाई भी की जा रही है। विभाग ने बताया कि जीएसटी नियमों के अनुसार मासिक विवरण पत्र प्रस्तुत करने वाले पंजीकृत व्यापारियों के लिए प्रत्येक माह की 11 तारीख तक जीएसटीआर-1 दाखिल करना अनिवार्य है। जो व्यापारी लगातार विलंब से जीएसटीआर-1 एवं जीएसटीआर-3बी विवरण पत्र प्रस्तुत कर रहे हैं, उन्हें चिन्हित कर कर अपवंचन की दृष्टि से परीक्षण किया जा रहा है। आवश्यकता पड़ने पर ऐसे मामलों में नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं। वहीं, लगातार विवरण पत्र दाखिल नहीं करने वाले करदाताओं के विरुद्ध उनके जीएसटी पंजीयन के निरस्तीकरण की कार्रवाई भी की जा रही है।

विभाग के अनुसार जीएसटीआर-1 विलंब से दाखिल करने पर सामान्य मामलों में प्रतिदिन 50 रुपये (25 रुपये केंद्रीय जीएसटी एवं 25 रुपये राज्य जीएसटी) तथा शून्य विवरण पत्र (निल जीएसटीआर-1) की स्थिति में प्रतिदिन 20 रुपये (10 रुपये केंद्रीय जीएसटी एवं 10 रुपये राज्य जीएसटी) की दर से विलंब शुल्क देय होता है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि जीएसटीआर-1 समय पर दाखिल नहीं करने से केवल संबंधित व्यापारी ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि उससे जुड़े क्रेता व्यापारी भी प्रभावित होते हैं। समय पर विवरण पत्र प्रस्तुत नहीं होने से क्रेता को इनपुट कर ऋण (आईटीसी) का लाभ समय पर प्राप्त नहीं हो पाता, जिससे उसके विवरण पत्र दाखिल करने में भी विलंब होता है। इसका प्रतिकूल प्रभाव राजस्व संग्रह पर पड़ता है और शासन को राजस्व की हानि हो सकती है। वाणिज्यिक कर विभाग ने जिले के सभी पंजीकृत व्यापारियों से अपील की है कि वे 11 जुलाई तक अनिवार्य रूप से जीएसटीआर-1 विवरण पत्र दाखिल करें, ताकि विलंब शुल्क एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई से बचा जा सके।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद का आठवां स्थापना दिवस केवलारी में भव्यता एवं उत्साह के साथ संपन्न

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल का आठवां स्थापना दिवस सिवनी जिले में अत्यंत भव्य, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। स्थापना दिवस के अवसर पर जिलेभर में विभिन्न स्थानों पर धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों का आयोजन किया गया, जिनमें सैकड़ों कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सनातन धर्मावलंबियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का मुख्य मार्गदर्शन महाकौशलप्रांत के राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकारी अध्यक्ष श्री स्वराज सिंह जी भाईसाहब द्वारा किया गया। उनके मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद के जिला कार्यकारी अध्यक्ष रोहित सक्सेना ने किया। इस अवसर पर संगठन के समस्त जिला, प्रखंड, नगर एवं ग्राम स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर भगवान श्रीराम, भारत माता एवं वीर हनुमान जी के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके उपरांत संगठन के स्थापना दिवस की ऐतिहासिक यात्रा, उद्देश्य एवं कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद विगत आठ वर्षों से विश्व, सुरक्षा एवं संस्कार के मूल मंत्र के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर राष्ट्र एवं धर्महित में निरंतर कार्य कर रहा है।

महाकौशल प्रांत के कायरथध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि सनातन समाज की एक सशक्त चेतना है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि प्रत्येक हिन्दू संगठित होकर सामाजिक समरसता, धार्मिक जागरण, गौसंरक्षण, मातृशक्ति सम्मान, युवाओं के चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक गांव, नगर एवं वार्ड में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का आह्वान किया। जिला कार्यकारी अध्यक्ष राष्ट्रीय बजरंग दल कपिल अवधिया जी ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता के समर्पण, अनुशासन एवं अथक परिश्रम के कारण आज अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद जन-जन का विश्वास प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन समाज सेवा, धार्मिक जागरण, युवा सशक्तिकरण एवं राष्ट्रहित के अभियानों को और अधिक व्यापक स्तर पर संचालित करेगा।

स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर प्रसाद वितरण, जनसंपर्क अभियान, सेवा कार्य, वृक्षारोपण एवं संगठन विस्तार जैसे अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में युवाओं, एवं वरिष्ठ नागरिकों की उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। पूरे आयोजन के दौरान कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह एवं अनुशासन देखने को मिला, जिससे संगठन की मजबूत कार्यशैली का परिचय प्राप्त हुआ। जिला महामंत्री राष्ट्रीय बजरंग दल सिवनी के राजेश बघेल जी ने संगठन के संस्थापक डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित संगठन आज देशभर में हिंदू समाज को संगठित करने, सेवा कार्यों को गति देने तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के समापन पर सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने तथा सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन का वातावरण राष्ट्रभक्ति, धार्मिक आस्था एवं संगठनात्मक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए स्थापना दिवस को ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी बताया।

अवैध गौवंश परिवहन पर कुरई पुलिस की बड़ी कार्यवाही

कार से क्रूरता से बंधे 8 गौवंश बरामद, वाहन जप्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा व एसडीओपीबरघाट ललित गठरे के मार्गदर्शन में गौवंश तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कुरई पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। दिनांक 09.07.2026 को थाना कुरई को सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति गौवंश को वध हेतु वाहन से ले जा रहे हैं। सूचना पर तत्काल कुरई घाटी, ह॥-44 सिवनी-नागपुर मार्ग पर वाहन चेकिंग लगाई गई।

चेकिंग के दौरान वाहन क्रमांक एमएच 12 एफएफ 1645, मारुति सुजुकी को रोकने का प्रयास किया गया तो चालक वाहन को तेज गति से भगाकर ले गया। पुलिस द्वारा पीछा करने पर

आरोपी ने कुरई घाटी स्थित बंजारी मंदिर के आगे वाहन सडक़ किनारे छोड़ दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल की ओर फरार हो गया। वाहन की तलाशी लेने पर भीतर एवं डिग्गी में रस्सियों से क्रूरतापूर्वक बंधे 08 गौवंश बरामद हुए। बरामद गौवंश को उपचार एवं सुरक्षा हेतु गौशाला में भिजवाया गया। जप्त वाहन को थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है।

अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई है। फरार आरोपी की तलाश के लिए दबिशें दी जा रही हैं। पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालचंदानी ने आमजन से अपील की है कि अवैध गौवंश परिवहन अथवा पशु क्रूरता की कोई भी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

सराहनीय भूमिका

इस कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक कृपाल शाह तेकाम, सउनि शैलेन्द्र डोंगरे, प्र.आर. महेंद्र परतेति, आर. रत्नेश कुशवाहा, आर. यशपाल उईके एवं डायल-112 पायलट कमल की विशेष भूमिका रही।

बाहुबली चौक का नाम बदलने के फैसले पर बढ़ा विवाद, जैन समाज सहित कई संगठनों ने जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

नगर पालिका परिषद सिवनी द्वारा ऐतिहासिक बाहुबली चौक का नाम बदलकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक किए जाने के निर्णय पर शहर में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। जैन समाज, भाजपा के कई पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठनों ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति दर्ज कराते हुए नगर परिषद से निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

जैन समाज का कहना है कि बाहुबली चौक केवल एक चौराहा नहीं, बल्कि शहर की धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है। समाज के वरिष्ठजनों के अनुसार वर्ष 1962 में आयोजित पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान भगवान बाहुबली की स्मृति में इस स्थान का नाम बाहुबली चौक रखा गया था। तब से यह स्थान शहर की पहचान के रूप में जाना जाता है।

भाजपा जिला उपाध्यक्ष संतोष नागपुरे ने नगर पालिका अध्यक्ष को पत्र भेजकर कहा है कि भगवान बाहुबली करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं। ऐसे में धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए प्रस्ताव क्रमांक-42 पर पुनर्विचार किया जाए तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम पर किसी अन्य उपयुक्त स्थान का नामकरण किया जाए। पूर्व विधायक नरेश दिवाकर ने भी कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के प्रति सभी के मन में सम्मान है, लेकिन बाहुबली चौक का नाम धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व से जुड़ा हुआ है। उन्होंने जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए परिषद से निर्णय पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया।

महावीर वार्ड की भाजपा पार्षद अनुसुइया अनिल पटेल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखित आपत्ति सौंपते हुए प्रस्ताव निरस्त करने की मांग की है। उनका कहना है कि चौक के नाम में बदलाव से सामाजिक और धार्मिक भावनाएं प्रभावित हो सकती हैं।

बरघाट में कथित धर्मांतरण मामले में विश्व हिन्दू परिषद ने कार्रवाई की मांग

बरघाट (सिवनी)। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल, द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बरघाट को एक ज्ञापन सौंपकर ग्राम दोदीवाड़ा में कथित धर्मांतरण गतिविधियों की जांच एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में बताया गया है कि ग्राम दोदीवाड़ा निवासी रामप्रसाद चौधरी अपने खेत से लौटा तो देखा कि मेरे घर में अनुसुइया कोमलवार, नीलिमा मेश्राम एवं अनुसुइया का दामाद बैठे हैं जो मेरी बहू अंजना चौधरी को बोल रहे हैं कि तुम ईसाई धर्म अपना लो जिससे तुम्हारे जोडो का दर्द व अन्य सभी समस्या दूर हो जाएगी व तुमको दो हजार रूपए महिना भी मिलेगा व धर्मांतरण के लिए खुद के घर चलने को बोल रही थी जिसके जानकारी मैंने गजानंद बिसेन व राजेंद्र बिसेन को दी व उनके साथ अनुसुइया कोमलवार के घर जा के देखा तो उसके घर में उनका दामाद ईशा मसीह की फोटो लेकर पूजा कर रहा है व गांव के भी दो अन्य लोग बैठे हैं ।यह लोग मेरी बहू को पैसा का लोभ देकर धर्म परिवर्तन करवाना चाह रहे थे जिसकी लिखित शिकायत रामप्रसाद चौधरी ने पुलिस थाना अरी में की है लेकिन आज तक इन तीनों लोगो पर एफआईआर दर्ज नहीं किया गया है उल्टा अनुसुइया कोमलवार के आवेदन पर रामप्रसाद चौधरी व अन्य गांव के लोगों को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विभाग बरघाट ने नोटिस जारी किया जा रहा है जिसके कारण विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने ज्ञापन सौंपकर अनुसुइया कोमलवार नीलिमा मेश्राम एवं अनुसुइया कोमलवार के दामाद पर प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन करवाने पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए न कि ग्राम के लोगों को परेशान किया जाए। अगर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल आंदोलन, भूख हड़ताल करेगा ज्ञापन में दिग्विजय सिंह राजपूत प्रांत धर्मप्रसार, रंजीत धुवें सहित अन्य लोगों के हस्ताक्षर है।

पलारी का 'कृष्णा पब्लिक स्कूल' या 'मासूमों का प्रताड़ना केंद्र'? शिक्षा के नाम पर माफियागिरी, 6 साल से बच्चों को नहीं दी मार्कशीट!

RTE के नाम पर 24,000 की 'फिरौती' मांग रहा स्कूल? डरे-सहमे अभिभावक ने सिवनी DEO से लगाई न्याय की गुहार, कड़े ऐक्शन की तैयारी में प्रशासन!

कैलाश लाहौरी विशेष खोजी रिपोर्ट । केवलारी/पलारी

क्या सिवनी जिले के पलारी में शिक्षा के नाम पर एक बड़ा रैकेट चल रहा है? क्या यहाँ 'कृष्णा पब्लिक स्कूल' के रूप में एक ऐसी समानांतर व्यवस्था खड़ी हो चुकी है, जिसे न तो देश के कानून का डर है और न ही मासूम बच्चों की जान की परवाह? पलारी के एक पीड़ित पिता भागचंद ठाकुर द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी (**DEO**) सिवनी को सौंपे गए शिकायती पत्र ने इस नामी स्कूल के काले कारनामों का कच्चा चिट्ठा खोलकर रख दिया है। यह कहानी सिर्फ एक स्कूल की तानाशाही की नहीं है, बल्कि यह जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की नाक के नीचे चल रहे एक बड़े खेल का पर्दाफाश करती है।

सनसनीखेज खुलासा 1: 6 साल तक 'अवैध' तरीके से पढ़ाया! बिना मार्कशीट अगली कक्षा में कैसे पहुंचे बच्चे?

शिकायत के सबसे चौंकाने वाले पहलू ने शिक्षा विभाग के होश उड़ा दिए हैं। पीड़ित के दो मासूम बच्चे (नैतिक और आरुषि) इस स्कूल में एलकेजी (**LKG**) से पढ़ रहे हैं और आज वे छठवीं कक्षा तक पहुंच गए। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि स्कूल ने आज तक उन्हें एक भी साल का प्रगति पत्र (मार्कशीट) नहीं दिया!

जनहित का बड़ा सवाल: शिक्षा के नियमों के अनुसार, बिना वार्षिक मूल्यांकन और मार्कशीट के कोई भी बच्चा अगली कक्षा में प्रमोट नहीं किया जा सकता। तो क्या कृष्णा पब्लिक स्कूल पिछले 6 सालों से 'कागजी हेरफेर' कर रहा था? क्या विभाग के अधिकारी हर साल इस स्कूल के रिकॉर्ड की जांच करने के नाम पर सिर्फ औपचारिकता निभा रहे थे? यह सीधे तौर पर बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेलने का गंभीर अपराध है।

सनसनीखेज खुलासा : **RTE** कानून का मखौल, टीसी के बदले 24,000 की 'अवैध वसूली'?

देश का कानून कहता है कि 'निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार' (**RTE**) के तहत गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा मिलनी चाहिए। लेकिन इस स्कूल में कानून उल्टा चलता है:

सालाना टैक्सः आरटीई के तहत पढ़ रहे बच्चों से भी हर साल 350 परीक्षा शुल्क के नाम पर जबरन वसूले गए।

टीसी के लिए ब्लैकमेलिंगः जब तंग आकर अभिभावक ने अपने बच्चों को इस स्कूल से निकालकर कहीं और ले जाने के लिए टीसी (**Transfer Certificate**) मांगी, तो स्कूल प्रबंधन ने कथित रूप से 24,000 की मोटी रकम की मांग रख दी।

इसे यदि सीधे शब्दों में कहा जाए, तो यह शिक्षा की आड़ में 'बंधक नीति' और 'फिरौती' की मांग है, जिसने एक गरीब परिवार को मानसिक रूप से तोड़कर रख दिया है।

सनसनीखेज खुलासा 3: मासूमों की जान 'सस्ती', मालवाहक गाड़ियों में जानवरों की तरह ठूंस रहे बच्चे!

स्कूल की लापरवाही का सबसे खौफनाक चेहरा सड़कों पर देखने को मिलता है। सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट निर्देश हैं कि स्कूली बच्चों के परिवहन के लिए केवल सुरक्षित और स्वीकृत बसें/वाहन ही इस्तेमाल किए जा सकते हैं। लेकिन कृष्णा पब्लिक स्कूल में: बच्चों को लाने-ले जाने के लिए बोलेरो पिकअप और छोटे मालवाहक (कमर्शियल) वाहनों का सरेआम इस्तेमाल हो रहा है। क्षमता से तीन गुना अधिक बच्चों को इन असुरक्षित गाड़ियों में 'भेड़-बकरियों' की तरह ठूंस दिया जाता है।

पूरा सिवनी जिला पूछ रहा है सवालः इन गाड़ियों के पीछे कोई सुरक्षा जाली नहीं है, न कोई आपातकालीन द्वार है। अगर कल को पलारी की सड़क पर कोई अनहोनी या जानलेवा हादसा हो जाता है, तो इन मासूमों की मौत का जिम्मेदार कौन होगा? क्या आरटीओ (**RTO**) और पुलिस विभाग किसी बड़े हादसे के बाद ही जागेगा?

प्राचार्य की गुंडागर्दीः ₹जो करना है कर लो, पुलिस भी हमारी है! अभिभावक का आरोप है कि जब उन्होंने इस अन्याय के खिलाफ पुलिस और प्रशासन के पास जाने की बात कही, तो स्कूल के प्राचार्य ने सुधरने या माफी मांगने के बजाय खुलेआम धमकी भरे और चुनौतीपूर्ण शब्दों का इस्तेमाल किया। यह अड़ियल रवैया साफ बताता है कि स्कूल प्रबंधन को लगता है कि उनकी पहुंच बहुत ऊपर तक है और जिला प्रशासन उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

जनहित की मांग: स्कूल की मान्यता तुरंत रद्द हो, दर्ज हो **FIR**! यह मामला केवल एक अभिभावक का नहीं, बल्कि पलारी के सैकड़ों बच्चों के भविष्य और सुरक्षा से जुड़ा है। जनता अब मुख्यमंत्री और जिला कलेक्टर सिवनी से सीधे इन मांगों पर ऐक्शन चाहती है।

मान्यता की उच्च स्तरीय जांचः स्कूल के पिछले 6 साल के परीक्षा परिणाम, मार्कशीट वितरण रजिस्टर और आरटीई रिकॉर्ड को तुरंत जब्त कर सील किया जाए।

आपराधिक मुकदमा: धोखाधड़ी, अवैध वसूली और बच्चों की जान जोखिम में डालने के तहत स्कूल प्रबंधन पर गैर-जमानती धाराओं में एफआईआर दर्ज हो।

अवैध वाहनों पर जब्तीः मासूमों को ढोने वाले पिकअप वाहनों को आरटीओ तुरंत जब्त करे।

अगर इस बार भी सिवनी का शिक्षा विभाग सुस्ती दिखाता है, तो यह मान लिया जाएगा कि इस पूरे खेल में भ्रष्टाचार की जड़ें बहुत गहरी हैं। क्षेत्र की जनता की नजरें अब कलेक्टर और डीईओ (**DEO**) की कार्रवाई पर टिकी हैं।

हरिभूमि

सतपुड़ा भूमि

तिरोड़ी | बोनकटा | कंटगी | बैहर | वारासिवनी | हटा

10

जबलपुर, शनिवार 11 जुलाई 2026

login : www.haribhoomi.com

बीआरसी की तैनाती और समय पर डाटा अपडेट करने के सख्त निर्देश

बैहर विकासखंड की धीमी प्रगति से कलेक्टर ने जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट के कलेक्टर मृणाल मीणा ने शुक्रवार को शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न सरकारी योजनाओं और शैक्षणिक गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई।

इस दौरान बैहर विकासखंड में शैक्षणिक योजनाओं की बेहद कमजोर और धीमी प्रगति सामने आने पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि काम में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कलेक्ट्रेट में हुई इस बैठक में समग्र आईडी, अपार (APAAR) आईडी, उमंग स्वैप प्रशिक्षण, लैपटॉप वितरण, छात्रवृत्ति, समेकित छात्रवृत्ति योजना, एमपीटीएएएस (MPTAAS) पोर्टल और छात्रावासों की व्यवस्थाओं जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई।

समीक्षा के बाद कलेक्टर ने सभी विकासखंडों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी एक महीने के भीतर छात्र-छात्राओं की अपार आईडी बनाने का काम शत-प्रतिशत पूरा कर लिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने बैहर बीईओ को सभी लंबित योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर मृणाल मीणा ने दो टूक कहा कि शिक्षा और छात्रों से जुड़े कार्यों में लापरवाही बिल्कुल स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने विकासखंड के आला अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे दफ्तरों से

निकलकर छात्रवृत्ति, साइकिल वितरण, समग्र शिक्षा अभियान और पीएम श्री योजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का खुद मैदानी निरीक्षण करें। अधिकारियों को निर्माण एजेंसियों द्वारा किए जा रहे कामों की गुणवत्ता जांचने और उसकी रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने को कहा गया है। बैठक में कलेक्टर ने खैरलांजी सहित सभी विकासखंडों में बीआरसी (ब्लॉक रिसोर्स कोऑर्डिनेटर) की अनिवार्य तैनाती पर जोर दिया और कहा कि कोई भी तहसील बिना बीआरसी के नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी) स्टेटस को तय समय-सीमा में अपडेट करने में कोई कोताही पाई गई, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, जनजातीय कार्य विभाग को पात्र विद्यार्थियों तक छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने के निर्देश दिए गए।

मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना वर्ष 2026-27

दिव्यांग छात्र छात्राओं को लेपटॉप, मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्राप्त करने का सुनहरा अवसर

31 अगस्त 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांग छात्र छात्राओ को लेपटॉप एवं मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्रदाय किये जाने के उद्देश्य से प्रदेश में मुख्यमंत्री दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही हे। इस योजना के अंतर्गत दिव्यांग छात्र छात्राओ को पात्रता अनुसार लेपटॉप, मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्रदाय की जाती है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में इस योजना के तहत दिव्यांग बच्चों को लाभान्वित करने के लिए 31 अगस्त 2026 ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि निर्धारित की गई है।

जिला समन्वयक अधिकारी सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग बालाघाट ने बताया कि इस योजना के तहत दिव्यांग छात्र छात्राओं को उनकी दिव्यांगता की श्रेणी के आधार पर सामग्री वितरित की जाती है। इसमें दृष्टिबाधित, श्रवणबाधित, अस्थिबाधित तथा मंदबुद्धि विद्यार्थियों को कक्षा 09वीं में 50 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण होने के पश्चात कक्षा 10 वीं में प्रथम बार प्रवेश लेने पर अथवा आईटीआई में प्रवेश लेने पर लेपटॉप प्रदाय किये जाते है। इसी तरह उन अस्थिबाधित छात्र छात्राओं जिनके शरीर का निचला भाग चलने में सक्षम नही है उन्हें कक्षा 10वीं में प्रवेश लेने पर मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्रदाय की जाती है।

विभाग द्वारा बताया गया है कि इस योजना का लाभ लेने के लिए https://www.sparsh.mp.gov.in/Public/MMD-SPY/OnlineRegistration/MMDSPY_Online_RegisterationForm.aspx लिंक के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन दर्ज कराए जा सकते है। ऑनलाईन आवेदन किये जाने के पश्चात विद्यार्थियों को कार्यालय में (आधार कार्ड, समग्र आईडी, प्रवेश कार्ड (एडमिशन स्पील), संस्था का प्रमाणीकरण, 9 वी एवं 10 वी की अंक सूची, निवास प्रमाण पत्र, फोटो, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, पूर्व में किसी भी योजनान्तर्गत लेपटॉप/मोट्राराईज्ड ट्रायसायकल प्राप्त न किया गया संबंधी संबंधित संस्था का प्रमाणीकरण) दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे।

ब्रेक फेल होने से पलटा पेट्रोल-डीजल टैंकर

सड़क पर बहा 15 हजार लीटर डीजल, लोगों ने जोखिम उठाकर की लूट

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

कटंगी-सिवनी मुख्य सड़क मार्ग पर शुक्रवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। खिड़कीघाट में जबलपुर डिपो से वारासिवनी की ओर जा रहा पेट्रोल-डीजल से भरा टैंकर ब्रेक फेल होने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में टैंकर से 15 हजार लीटर डीजल सड़क पर बह गया। इस दौरान कुछ लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर सड़क पर बहे डीजल को लूटा।जानकारी के अनुसार टैंकर क्रमांक एमपी 17 एचएच 3564 जबलपुर डिपो से निकला था। इसमें 5000 लीटर पेट्रोल और 15000 लीटर डीजल भरा था। टैंकर वारासिवनी के रूसिया पेट्रोल पंप जा रहा था। खिड़कीघाट के घुमावदार मोड़ पर अचानक टैंकर के ब्रेक फेल हो गए। चालक ने वाहन को नियंत्रित करने की काफी कोशिश की, लेकिन टैंकर सड़क पर पलट गया हादसे में टैंकर चालक अशोक यादव को मामूली चोटें आई हैं। वहीं परिचालक बबलू यादव अधिक घायल हुआ है। दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए कटंगी अस्पताल भेजा गया। टैंकर पलटते ही उसमें से डीजल तेजी से बहने लगा। देखते ही देखते सड़क पर डीजल की धारा बह निकली। इसी बीच कुछ लोग डिब्बे, बोतल और कैन लेकर मौके पर पहुंच गए और बहते डीजल को भरने लगे। पुलिस के पहुंचने तक काफी डीजल लूटा जा चुका था। बाकी बचा डीजल सड़क पर ही बह गया। डीजल सड़क पर फैल जाने से वाहनों और राहगीरों के लिए खतरा बढ़ गया। कई दोपहिया चालक डीजल पर फिसलकर गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही कटंगी और अरी थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और यातायात को नियंत्रित किया।सड़क पर जमी चिकनाई को हटाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी देर तक सड़क की धुलाई की, जिसके बाद आवागमन सामान्य हो सका। सुबह 11 बजे पुलिस ने टैंकर को क्रेन की मदद से उठाने की प्रक्रिया शुरू की है। फिलहाल पेट्रोल सुरक्षित है, लेकिन 15000 लीटर डीजल बह गया है।

15 सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं का प्रदर्शन, काला दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने 10 जुलाई को 'काला दिवस' मनाकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि प्रदेश सरकार हाईकोर्ट के उस आदेश का पालन नहीं कर रही है, जो उनके एरियर और ग्रेच्युटी के भुगतान से जुड़ा है।

इस विरोध प्रदर्शन के तहत बालाघाट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका संघ की बैठक हुई, जिसमें जिले भर से 50 से अधिक महिला प्रतिनिधि शामिल हुईं।

संघ की जिला अध्यक्ष अंजली बिसेन के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कलेक्टर को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। संगठन ने ऐलान किया है कि वे अपनी मांगों को लेकर अगस्त महीने में जिला स्तर पर बड़ा आंदोलन करेंगी और आगे चलकर विधानसभा का घेराव भी करेंगी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सरकार के सामने अपनी 15 सूत्रीय मांगें रखी हैं, जिनमें प्रमुख हैं- कार्यकर्ताओं के लिए 38 हजार रुपए और सहायिकाओं के लिए 23 हजार रुपए महीना सैलरी दी जाए। हर महीने समय पर सैलरी का भुगतान हो और कोर्ट के आदेश के मुताबिक एरियर्स की राशि तुरंत दी जाए। किसी कार्यकर्ता या सहायिका की अचानक मौत होने पर उनके परिवार को 2 लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाए। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। संघ ने आरोप लगाया कि कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं से तय काम के अलावा भी बहुत सारे अतिरिक्त काम करवाए जा रहे हैं, जिसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए।

इसके अलावा उन्होंने कुछ और मांगें भी उठाईं, 'पोषण ट्रैकर' और 'संपर्क ऐप' को चलाने में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाए। ऑनलाइन या ऑफलाइन काम में से किसी एक को चुनने की छूट दी जाए। ग्रामीण इलाकों में नेटवर्क की समस्या के कारण अगर ऐप पर काम समय से नहीं हो पाता, तो कार्यकर्ताओं की सैलरी काटना बंद किया जाए। 3 से 6 साल तक के जो बच्चे स्कूलों में चले गए हैं, उन्हें वापस आंगनबाड़ी केंद्रों में भेजने का आदेश जारी हो।

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा पोषण प्रबंधन को लेकर स्वास्थ्य एवं महिला-बाल विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित

बालाघाट। बालाघाट जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा कुपोषण की रोकथाम के उद्देश्य से शुक्रवार को विकासखंड स्तरीय स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त कार्यशाला सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप के निर्देशन में संपन्न हुई।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र सुंद्रियाल, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज महाजन, बीएमओ डॉ. शुभम सैयाम, प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री संजय तुरकर, ग्रामीण सीडीपीओ श्री शैलेन्द्र चौकसे, अर्बन सीडीपीओ अनुपमा मेरावी, एपीएम श्री संजय मानेश्वर, प्रभारी बीपीएम रामप्रसाद शरणागत सहित स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सुपरवाइजर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। इसमें गर्भवती महिलाओं के समय पर एएनसी पंजीयन, नियमित जांच एवं उपचार, हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं प्रबंधन, संभावित प्रसव तिथि से पूर्व उचित स्वास्थ्य संस्थानों में रेफरल, संस्थागत प्रसव की स्थिति, जननी सुरक्षा योजना एवं प्रसूति सहायता योजनाओं के भुगतान, नवजात शिशुओं की गृह आधारित देखभाल, कुपोषित बच्चों के उपचार तथा टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की समीक्षा एवं प्रशिक्षण प्रभारी जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री संजय तुरकर, बीएमओ डॉ. शुभम सैयाम, एपीएम श्री संजय मानेश्वर तथा जिला टीकाकरण कार्यालय एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रतिनिधियों द्वारा दिया गया।

दुग्ध क्रांति में बालाघाट का परचम

कृत्रिम गर्भाधान में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कलेक्टर मृणाल मीणा को मिला 'प्रशंसा पत्र'

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और पशुपालन क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छूने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे बालाघाट जिले ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में जिले के शानदार प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश शासन के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव ने कलेक्टर श्री मृणाल मीना की सराहना की है।

शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर बनी प्रेरणा

प्रमुख सचिव, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, श्री उमाकांत उमराव ने कलेक्टर श्री मीना को प्रशंसा पत्र भेजकर इस उपलब्धि पर बधाई दी है। पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि बालाघाट जिले ने न केवल निर्धारित लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूरा किया है, बल्कि जिले की 'गर्भधारण दर' (Conception Rate) प्रदेश के औसत से कहीं अधिक दर्ज की गई है, जो अपने आप में एक मिसाल है।

कुशल नेतृत्व और टीम भावना का परिणाम

इस सफलता का श्रेय कलेक्टर श्री मृणाल मीना के कुशल मार्गदर्शन और पशुपालन विभाग की पूरी टीम के समर्पित प्रयासों को दिया गया है। प्रमुख सचिव श्री उमराव ने जिले की प्रभावी कार्यशैली, फील्ड लेवल पर सतत निगरानी और अधिकारियों-कर्मचारियों के बीच बेहतरीन तालमेल की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि बालाघाट का यह मॉडल राज्य के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

पशुपालन क्षेत्र में नई उम्मीदें

इस गौरवशाली उपलब्धि के बाद विभाग ने विश्वास जताया है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के लिए तय किए गए बढ़े हुए लक्ष्यों को भी जिले की टीम इसी उत्साह और दक्षता के साथ पूरा करेगी। कलेक्टर श्री मीना ने इस सफलता का श्रेय पशुपालन विभाग के समस्त मैदानी अमले और पशुपालकों के सहयोग को दिया है।

जल जीवन मिशन से बदली रजेगांव की तस्वीर, अब हर घर तक पहुंच रहा शुद्ध पेयजल

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट जिले में जल जीवन मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन से वारासिवनी विकासखंड के ग्राम रजेगांव की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। कभी पेयजल संकट से जूझने वाला यह गांव आज हर घर तक शुद्ध और सुरक्षित पेयजल की सुविधा मिलने से राहत की सांस ले रहा है। महिलाओं और बच्चों को अब पानी के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ती, जिससे उनके समय और श्रम दोनों की बचत हुई है।

ग्राम पंचायत आलेझरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम रजेगांव की कुल जनसंख्या 1202 है। पहले गर्मी के दिनों में गांव के जल स्रोत सूखने लगते थे, जिससे ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। स्वच्छ पानी की कमी के कारण जलजनित बीमारियों का खतरा भी बना रहता था।

ग्रामीणों की इस समस्या को दूर करने के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट ने 8 मार्च 2020 को जल जीवन मिशन के तहत ग्राम

में नल-जल योजना स्वीकृत की। लगभग 77.69 लाख रुपये की लागत से तैयार इस योजना के अंतर्गत 50 किलोलीटर क्षमता की ओवरहेड पानी की टंकी, 20 किलोलीटर क्षमता का सम्पवेल तथा 250 फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (एफएचटीसी) स्थापित किए गए। योजना के पूर्ण होने के बाद अब गांव के प्रत्येक परिवार को घर पर ही नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है। महिलाओं और बच्चों का समय बचने के साथ ही स्वच्छ जल उपलब्ध होने से स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी मिल रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन ने उनके जीवन में नया बदलाव लाया है। वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान होने से अब वे अधिक सुविधा और सम्मान के साथ जीवनयापन कर रहे हैं। ग्राम रजेगांव के ग्रामीणों ने इस जनहितकारी योजना के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट के प्रति आभार व्यक्त किया है। रजेगांव की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में केवल पेयजल ही नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य, सम्मान और खुशहाल जीवन का आधार भी बन रहा है।

जल स्रोतों की जांच और क्लोरीनेशन किया गया

बैहर के ग्रामों में पीएचई विभाग का डायरिया रोको अभियान तेज

पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री के मार्गदर्शन में चलाया विशेष अभियान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में जलजनित बीमारियों की रोकथाम एवं ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा 'डायरिया रोको अभियान' के तहत लगातार जागरूकता एवं तकनीकी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उइके के निर्देशन में शुक्रवार को बैहर विकासखंड के ग्राम हिर्री, लूद एवं सारद में विशेष अभियान चलाकर पेयजल स्रोतों की जांच, क्लोरीनेशन एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभियान के दौरान पीएमयू समन्वयक शीतल मिश्रा, हरीश झा तथा ब्लॉक समन्वयक फनीश रंगारे ने ग्रामीणों की उपस्थिति में फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता की जांच की। साथ ही ग्रामीणों को स्वयं एफटीके किट से पानी की जांच करने की विधि भी सिखाई गई, ताकि वे समय रहते दूषित पानी की पहचान कर उसका उपयोग करने से बच सकें।

बरसात के मौसम में डायरिया एवं अन्य जलजनित रोगों के बढ़ते खतरे को देखते हुए विभाग के हैंडपंप तकनीशियन द्वारा ग्राम हिर्री, लूद एवं सारद के हैंडपंपों तथा अन्य सार्वजनिक पेयजल स्रोतों में जमेंक्स डालकर क्लोरीनेशन किया गया, जिससे पेयजल को सुरक्षित बनाया जा सके। अभियान के तहत ग्रामीणों एवं बच्चों को स्वच्छता का महत्व बताते हुए हैंड वॉश के छह चरणों का प्रदर्शन किया गया। अधिकारियों ने समझाया कि भोजन बनाने और खाने से पहले तथा शौच के बाद साबुन से सही तरीके से हाथ धोने से डायरिया जैसी बीमारियों से प्रभावी बचाव किया जा सकता है। पीएचई विभाग की टीम ने ग्रामीणों से हमेशा स्वच्छ एवं ढका हुआ पानी पीने, पेयजल स्रोतों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखने तथा गंदगी दिखाई देने पर तत्काल उसकी सफाई करने की अपील की। विभाग ने कहा कि जनसहभागिता और जागरूकता के माध्यम से ही डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

15 जुलाई को भारी बारिश और तेज हवाओं की संभावना

बालाघाट। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय मध्यम अवधि के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 11 से 14 जुलाई 2026 तक मध्यम बादल छाए रहने के साथ मध्यम वर्षा होने की संभावना है। वहीं 15 जुलाई को जिले में भारी वर्षा, आकाशीय बिजली गिरने, आंधी-तूफान तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव के वैज्ञानिक डा धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23 से 24 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सुबह के समय हवा में आर्द्रता 87 से 91 प्रतिशत तथा दोपहर में 62 से 70 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं दक्षिण दिशा से लगभग 6 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। कृषि विज्ञान केन्द्र ने किसानों को सलाह दी है कि मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कृषि कार्यों की योजना बनाएं। भारी वर्षा एवं तेज हवाओं की संभावना को देखते हुए खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था रखें तथा बिजली कड़कने और आंधी-तूफान के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों एवं विद्युत पोलों के नीचे खड़े होने से बचें। मौसम विभाग ने आम नागरिकों से भी खराब मौसम के दौरान आवश्यक सावधानी बरतने और प्रशासन एवं मौसम विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है।